(vii) **निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण उचित शिर्षक के साथ प्रस्तुत कीजिए ।**

आज हमारे जमाने की सबसे बडी समस्या प्रदुषण है । मनुष्य की भौतिक सुख - सुविधाओं का जितना आधिक विकास होता जा रहा है यह समस्या उतनी बढती जा रही है । इसका मुल कारण मनुष्य की अपनी स्वार्थ - वृत्ति है। मनुष्य ने प्रकृति के कोमल और सन्तुलित रुप को बिगाडने में कोई कसर नहीं छोडी और प्राकृतिक साधनों का असावधानी से, बिना सोचे - समझे अन्धधुन्ध दुरुपयोग किया है । इसका परिणाम यह हुआ कि वातावरण में निरन्तर प्रदुषण बढता जा रहा है ।

प्रदुषण के अनेक कारण हैं। पहला कारण यह है कि औद्योगिक विकास के साथ - साथ मशीनों की संख्या जितनी बढती जा रही है, धरती के वायुमण्डल में विषैला धुआँ उतना अधिक होता जा रहा है । फक्टरियों की भिमनियाँ जो धुआँ उगलती हैं , वह वायु में फैलकर उसे दुषित कर देता है। इसी प्रकार तेल और पेट्रोल को ईधन के रुप में प्रयोग करनेवाले जितने भी उद्योग धंधे हैं वे स्वास्थ्य केलिए हानिकारक हैं। बसे, ट्रक, मोटरकारें, मोटर साइकिलें और स्कुटर आदि भी धुआँ छोडते हैं और वह वायु में मिलकर वातावरण को दुषित कर देता है।